

डाक-व्यय को पूर्व-अदायगी के
बिना डाक द्वारा भेजे जाने के लिए
अनुमत. अनुमति-पत्र क्र. भोपाल-
एम. पी. 2-डब्ल्यू-पी/505/2000.



पंजी क्रमांक भोपाल टिचीजन
एम.पी. 108/भोपाल/2000.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 446]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 12 जुलाई 2000—आषाढ़ 21, शक. 1922

तकनीकी शिक्षा और जनशक्ति नियोजन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 2000

क्र. एफ. 1-35-2000-ब्यालीस-1.—यतः राज्य सरकार की राय में यह आवश्यक हो गया है कि:—

(एक) कर्मचारियों के कतिपय प्रवर्गों में कतिपय रिक्तियाँ अल्प समय के भीतर भरी जाएं;

(दो) कतिपय स्थानों पर पदस्थापना को टालने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कर्मचारियों के इन प्रवर्गों को संविदा आधार पर, विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए नियुक्त किया जाए.

अतएव, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मध्यप्रदेश के राज्यपाल, एतद्वारा, तकनीकी शिक्षा तथा जनशक्ति नियोजन विभाग के अधीन सेवा के कतिपय प्रवर्गों पर संविदा आधार पर भरती से संबंधित निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रयुक्ति तथा प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश तकनीकी शिक्षा, पॉलीटेकनिक (अध्यापन संवर्ग) (संविदा सेवा): (नियुक्ति तथा सेवा शर्तें) नियम, 2000 है.

(2) किन्हीं अन्य नियमों में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी, ये नियम संविदा आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के ऐसे प्रवर्गों को लागू होंगे, जो कि राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा समय-समय पर, अनुसूची में विनिर्दिष्ट किए जाएं.

(3) ये मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
- (क) किसी पद के संबंध में "नियुक्ति प्राधिकारी" से अभिप्रेत है संबंधित प्रवर्ग के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी;
- (ख) "ए.आई.सी.टी.ई." से अभिप्रेत है अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद;
- (ग) "सरकार" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश सरकार;
- (घ) "चयन समिति" से अभिप्रेत है संबंधित प्रवर्ग के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों की समिति.

3. वेतन.—किसी पद का वेतन उतना होगा, जैसा कि उक्त पद के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया जाए.

4. नियुक्ति का तरीका.—(1) अनुसूची में उल्लिखित पदों के प्रवर्गों पर समस्त नियुक्तियां, अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों से मिलकर बनने वाली चयन समिति द्वारा सिफारिश के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा की जाएगी.
- (2) अभ्यर्थी के पास आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख को, अनुसूची में यथा उपबंधित शैक्षणिक अर्हता तथा अनुभव होना चाहिए.
- (3) संबंधात्मक नियुक्तियों के लिए चयन मानदण्ड,—

पदों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए अभ्यर्थियों को निम्नलिखित अनुपात में अंक दिए जाएंगे:—

(एक) प्राध्यापक/प्रोग्रामर/सहायक कर्मशाला अधीक्षक,

(क) विहित अर्हता

(ख) एमई/एम.टेक/एम.फिल अपाधि

(ग) पी.एच.डी. उपाधि

(घ) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

(ङ) साक्षात्कार

60 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त
अंकों के अनुपात में)

10 अंक

10 अंक

05 अंक

15 अंक

(दो) प्राचार्य/विभागाध्यक्ष/कर्मशाला अधीक्षक/टीपीओ/सिस्टम एनेलिस्ट (इंजीनियरिंग/प्रोद्योगिकी) टेक्नालाजी.

(क) विहित अर्हता

70 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त
अंकों के अनुपात में)

10 अंक

05 अंक

15 अंक

(ख) पी.एच.डी. उपाधि

(ग) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

(ङ) साक्षात्कार

(तीन) विभागाध्यक्ष (विज्ञान तथा मानविकी)

(क) विहित अर्हता

80 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त
अंकों के अनुपात में)

05 अंक

15 अंक

(ख) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

(ग) साक्षात्कार

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)
- (6)
- (7)
- (8)
- (9)

3. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

पा एच.डी. के साथ मार्किटिंग तथा विज्ञान को

4. इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूरसंचार.

संयुक्त शाखा में प्रथम श्रेणी में मास्टर डिग्री.

5. आर्किटेक्चर

तथा प्राध्यापक या सनसुल्य स्तर पर 5 वर्ष का अभ्यास/डॉग/अनुसंधान में अनुभव.

या

6. खनन (माइनिंग)

इंजीनियरिंग.

7. खनन संरक्षण

8. मेटलर्जी

9. फार्मसी

10. कम्प्यूटर

11. एंकीकेशन.

आधुनिक कार्यालय प्रबंधन.

12. सी. डी. डी. एम.

13. आंतरिक सजावट

14. मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नॉलॉजी.

15. अनुरक्षण सेवा

16. रेकॉर्डेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग.

17. कम्प्यूटर साईंस तथा इंजीनियरिंग.

18. रूरल इंजीनियरिंग

19. सीमेंट टेक्नॉलॉजी

20. इन्फ्रमेटेशन इंजीनियरिंग.

मास्टर

कम्प्यूटर (प्रोसेसिंग) कम्प्यूटिंग

कम्प्यूटिंग से 4

गैरसंचार पाठ्य

कम्प्यूटिंग से 5 वर्ष 100%

(4)

11. आधुनिक वायान्तय
इंधन (मॉडर्न आफिस-
मैनजमेंट)
12. श्री. डी. डी. एम.
13. ब्रॉडरिफ सजावट
(इंटीरियर डेकोरेशन)
14. सैडकल लेबोरेटरी
टेक्नोलॉजी.
15. रेकॉर्डिंग एण्ड
एयर कंडीशनिंग.
16. कंप्यूटर साईस तथा
इंजीनियरिंग.
17. रूल इंजीनियरिंग
18. सॉफ्ट टेक्नोलॉजी
19. इस्ट्रुमेंटेशन टेक्नोलॉजी
टै. पी. ओ.
20. फूड टेक्नोलॉजी
21. मरमेंट टेक्नोलॉजी
22. बूटी कल्चर
23. क्रैसटाइल डिजाईन
24. स्टाइड जियोलॉजी
25. भौतिक शास्त्र
26. सायन शास्त्र
27. कला
28. ओ. जी.
29. इंजीनियरिंग केमिस्ट्री
30. लैव रिजर्व प्राध्यापक
- 31.

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) |
|-----|-------------------------------|-----------------------------------------------|-----|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|
| 32. | सिस्टम एनेलिस्ट (श्रेणी-1) | रु.10,000/- 325-15,200. (राज्य वेतनमान) | 30 | 51 | कम्प्यूटर साइंस/कम्प्यूटर इंजीनियरिंग/कम्प्यूटर साइंस तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी में स्नातक स्तर उपाधि. तथा सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम संगठन के कम्प्यूटर केंद्र में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव. --तदव-- | --तदव-- | --तदव-- | --तदव-- |
| 32. | सिस्टम एनेलिस्ट (श्रेणी-2) | रु.8000/- 275-13500. (राज्य वेतनमान) | 22 | 51 | कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक उपाधि या गणित/भौतिक शास्त्र/सांख्यिकी/ऑपरेशन रिसर्च में कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातक उपाधि के साथ सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का तीन वर्ष का अनुभव या मध्यप्रदेश बी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा/पोस्ट डिप्लोमा के साथ सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम के किसी कम्प्यूटर केंद्र में प्रोग्रामिंग का एक वर्ष का अनुभव. | --तदव-- | --तदव-- | --तदव-- |
| 33. | प्रोग्रामर | रु.8000/- 275-13500. (राज्य वेतनमान) | 22 | 51 | | | | |

कम्प्यूटर एप्लीकेशन में प्रथम श्रेणी में मास्टर्स डिग्री.

57

(1) सर्वांगी, अर्थात् अपने शैक्षणिक कैरियर में प्रदर्शन अर्थात् उसके द्वारा उतीर्ण परीक्षा अन्य वृत्तिक क्षेत्र आदि में प्रदर्शन और माध्यम में पर्यटन के माध्यम पर, जिसके लिए अंक दिए जाएंगे, अपना मूल्यांकन करने के पश्चात् अपनी सिफारिशें करेगी और ऐसे अंकों में 15 माध्यम में अर्थात् अंक उसके वैयक्तिक माक्षात्कार में प्रदर्शन के लिए दिए जाने चाहिए.

अधिकारी:

(2) ऐसे चयन दाग भी जाने वाली भिन्नियां, गमाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करने के पश्चात् हो

(3) गने जाने वाली भिन्नियों की संख्या के कम से कम तीन गुनी संख्या में अभ्यर्थियों को चयन के लिए साक्षात्कार में

5. पदावधि.—(1) संविदा आधार पर इस प्रकार नियुक्त किए गए किसी कर्मचारी की पदावधि 3 वर्ष से अनधिक कालावधि के लिए होगी. वेगो पदावधि के अख्यान पर नियुक्ति स्वतः समाप्त हो जाएगी.

(2) तथ्याप कोई व्यक्ति, यदि वह चयन सर्वांगी द्वारा उपयुक्त पाया जाए तो नए सिरे से संविदा पर नियुक्ति के लिए पात्र होगा. ऐसा व्यक्ति को नियुक्ति पर ऐसे वेतन के लिए, जो वह अपनी पिछली नियुक्ति के दौरान प्राप्त कर रहा था, एक वेतनवृद्धि के साथ हकदार होगा.

6. आयु.—न्यूनतम तथा अधिकतम आयु ऐसी होगी जो अनुसूची में विनिर्दिष्ट की जाए.

7. अन्य शर्तें.—(1) इन नियमों के अधीन कोई नियुक्ति, प्रवर्ग में रिक्त पद के विरुद्ध ही की जाएगी;

म्यूणीकरण.—रिक्त पद से अभिप्रेत है उस प्रवर्ग में रिक्त पद और उसमें ऐसा पद सम्मिलित है जिसके एक वर्ष से अधिक की

(2) इन नियमों के अधीन विभिन्न पदों पर नियुक्तियां आरक्षण के लिए विधि या नियमों द्वारा शासित होंगी, जैसे :—

(क) मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 के उपबंध के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पद आरक्षित रखे जाएंगे. इस प्रयोजन के लिए रोस्टर राज्य स्तर पर रखा जाएगा.

(ख) महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 के उपबंधों के अनुसार क्रिया जाएगा.

(ग) विक्रयांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण सरकार के अनुदेशों के अनुसार किया जाएगा.

(3) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 द्वारा शासित होगा.

(4) इन नियमों के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति, पेंशन तथा उससे संबंधित फायदों के लिये हकदार नहीं होगा.

(5) इन नियमों के अधीन सेवाएं, दोनों में से किसी भी एक ओर से एक मास की सूचना द्वारा या उसके बदले में एक मास का

(6) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, वैसी ही चिकित्सीय सुविधाओं तथा यात्रा भत्तों का हकदार होगा, जो कि समान वेतन वाले वाले राज्य के अन्य कर्मचारियों को अनुज्ञेय हैं.

(7) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, ऐसे भविष्य निधि फायदों का भी हकदार होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर, अधिधारित किया जाए.

(8) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, एक वर्ष में 13 दिन का आकस्मिक अवकाश तथा 3 दिन की ऐच्छिक अवकाश का हकदार होगा, किन्तु वह किसी अन्य प्रकार के अवकाश या दीर्घावकाश का हकदार नहीं होगा.

(9) संविदा नियुक्ति एक विशिष्ट संस्था के लिए ही होगी.

(10) संविदा नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी, ए.आई.सी.टी.ई. सनियमों के अनुसार उच्चतर अर्हता के लिए प्रोत्साहन हेतु पात्र होगा.

(11) सेवा की अन्य शर्तें ऐसी होंगी, जैसी कि उसके नियुक्ति के आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं.

अनुसूची

| अनु क्र. | विभाग का नाम | पद के प्रवर्ग का नाम | वेतन | आनु दृष्टतम अनुसूची क्र. | श्रेणी | चयन संहिता | नियुक्ति प्राधिकरण | |
|----------|-----------------------------------|----------------------|--------------------------------------|--------------------------|--------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | |
| एक | तकनीकी शिक्षा एवं जनशक्ति नियोजन. | प्राचार्य | ₹. 16400-450-20000. (ए.आई.सी. टी.ई.) | 40 | 59 | स्नातकोत्तर या स्नातक स्तर पर प्रथम श्रेणी के साथ इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की समुचित शाखा में मास्टर्स डिग्री तथा अध्यापन में 15 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 5 वर्ष विभागाध्यक्ष या समतुल्य स्तर पर रहने के हों या इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी/तकनीकी शिक्षा की समुचित शाखा में पी-एच.डी. तथा अध्यापन में दस वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम तीन वर्ष विभागाध्यक्ष या समतुल्य स्तर पर रहने के हों. | 1. संचालक, तकनीकी शिक्षा—अध्यक्ष. 2. संचालक, टी. टी. आई., भोपाल—सदस्य 3. इंजीनियरिंग महाविद्यालय के दो प्राचार्य—सदस्य. 4. मध्यप्रदेश के बाहर के आर. ई. सी. के. प्राचार्य—सदस्य. | सरकार |
| दो | —तदैव— विभागाध्यक्ष | | ₹. 12000-420-18500. (ए.आई.सी. टी.ई.) | 35 | 55 | स्नातकोत्तर (मास्टर्स) या स्नातक स्तर पर प्रथम श्रेणी के साथ इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी (टेक्नॉलॉजी) की समुचित शाखा में मास्टर्स डिग्री. तथा सिविल इंजीनियरिंग | 1. प्राचार्य, इंजीनियरिंग महाविद्यालय—अध्यक्ष (डी. टी. ई. द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा) 2. प्राचार्य—सदस्य पालीटेकनिक (नियमित) 3. प्राचार्य—सदस्य पालीटेकनिक (डी.टी.ई.) द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा. 4. दो विषय—सदस्य विशेषज्ञ (एक्सपर्ट) (डिवाजन के बाहर) —सदस्य | संचालक, तकनीकी शिक्षा |
| 1. | | | | | | | | |
| 2. | भैरविकल इंजीनियरिंग | | | | | | | |

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 2000

क्र. एफ. 1-35-2000-बयालीस-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्र. एफ. 1-35-2000-बयालीस-1, दिनांक 12 जुलाई 2000 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. दुबे, उपसचिव

Bhopal, the 12th July 2000

No. F. 35-2000-XLII-1.—WHEREAS, in the opinion of the State Government it has become necessary that—

- (i) to fill up certain vacancies in certain categories of employees within short time;
- (ii) to curb the tendency of avoiding, posting at certain places, those categories of employees should be appointed on contract basis for a specified period.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the provision to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Madhya Pradesh hereby makes the following rules relating to the recruitment to certain categories of services on contract basis under the Department of Technical Education and Man Power Planning, namely :—

RULES

1. Short title, Application and Commencement.—(1) These rules may be called the Madhya Pradesh, Technical Education, Polytechnic (Teaching Cadre) Contract Services (Appointment and Conditions of Service) Rules, 2000.

(2) Notwithstanding anything contained in any other rules these rules shall apply for such categories of employees appointed on contract basis as may be specified in the scheduled from time to time by the State Government by notification.

(3) They shall come into force with effect from the date of publication of these rules in the "Madhya Pradesh Gazette".

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires;—

- (a) "Appointing Authority" Appointing Authority in respect of a post means the authority specified in the scheduled for the concerned category;
- (b) "AICTE" AICTE means the All India Council for Technical Education;
- (c) "Government" Government means the Government of Madhya Pradesh;
- (d) "Selection Committee" Selection Committee means the committee of persons specified in the Schedule for the concerned category.

3. Post.—Day of a post shall be such as specified in the scheduled for the said post.

4. The Method of Appointments.—(1) All appointment to the categories of posts mentioned in the schedule shall be made by the appointing authority on the basis of recommendation by the Selection Committee consisting of persons specified in the schedule.

डाक-व्यय को पूर्व-अदायगी के
बिना डाक द्वारा भेजे जाने के लिए
अनुमत. अनुमति-पत्र क्र. भोपाल-
एम. पी. 2-डब्ल्यू-पी/505/2000.



पंजी क्रमांक भोपाल डिवीजन
एम.पी. 108/भोपाल/2000.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 446]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 12 जुलाई 2000—शाषाढ़ 21, शक. 1922

तकनीकी शिक्षा और जनशक्ति नियोजन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 2000.

क्र. एफ. 1-35-2000-ब्यालीस-1.—यतः राज्य सरकार की राय में यह आवश्यक हो गया है कि:—

(एक) कर्मचारियों के कतिपय प्रवर्गों में कतिपय रिक्तियाँ अल्प समय के भीतर भरी जाएं;

(दो) कतिपय स्थानों पर पदस्थापना को टालने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कर्मचारियों के इन प्रवर्गों को संविदा आधार पर, विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए नियुक्त किया जाए.

अतएव, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुका द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मध्यप्रदेश के राज्यपाल, एतद्द्वारा तकनीकी शिक्षा तथा जनशक्ति नियोजन विभाग के अधीन सेवा के कतिपय प्रवर्गों पर संविदा आधार पर भारती से संबंधित निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रयुक्ति तथा प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश तकनीकी शिक्षा, पॉलीटेक्निक (अध्यापन संवर्ग) (संविदा सेवा): (नियुक्ति तथा सेवा शर्त) नियम, 2000 है.

(2) किन्हीं अन्य नियमों में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी, ये नियम संविदा आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के ऐसे प्रवर्गों को ही लागू होंगे, जो कि राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा समय-समय पर, अनुसूची में विनिर्दिष्ट किए जाएं.

(3) ये मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) किसी पद के संबंध में "नियुक्ति प्राधिकारी" से अभिप्रेत है संबंधित प्रवर्ग के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी;
 (ख) "ए.आई.सी.टी.ई." से अभिप्रेत है अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद;
 (ग) "सरकार" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश सरकार;
 (घ) "चयन समिति" से अभिप्रेत है संबंधित प्रवर्ग के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों की समिति.

3. वेतन.—किसी पद का वेतन उतना होगा, जैसा कि उक्त पद के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया जाए.

4. नियुक्ति का तरीका.—(1) अनुसूची में उल्लिखित पदों के प्रवर्गों पर समस्त नियुक्तियां, अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों से मिलकर बनने वाली चयन समिति द्वारा सिफारिश के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा की जाएंगी.

(2) अभ्यर्थी के पास आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख को, अनुसूची में यथा उपबंधित शैक्षणिक अर्हता तथा अनुभव होना चाहिए.

(3) संचिदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन मानदण्ड,—

पदों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए अभ्यर्थियों को निम्नलिखित अनुपात में अंक दिए जाएंगे:—

(एक) प्राध्यापक/प्रोग्रामर/सहायक कर्मशाला अधीक्षक,

(क) विहित अर्हता

60 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त अंकों के अनुपात में)

(ख) एमई/एम.टेक/एम.फिल अपाधि

10 अंक

(ग) पी.एच.डी. उपाधि

10 अंक

(घ) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

05 अंक

(ङ) साक्षात्कार

15 अंक

(दो) प्राचार्य/विभागाध्यक्ष/कर्मशाला अधीक्षक/टीपीओ/सिस्टम एनेलिस्ट (इंजीनियरिंग/प्रोद्योगिकी) टेक्नालाजी.

(क) विहित अर्हता

70 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त अंकों के अनुपात में)

(ख) पी.एच.डी. उपाधि

10 अंक

(ग) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

05 अंक

(ङ) साक्षात्कार

15 अंक

(तीन) विभागाध्यक्ष (विज्ञान तथा मानविकी)

(क) विहित अर्हता

80 (अधिकतम)

(न्यूनतम अर्हता में अभिप्राप्त अंकों के अनुपात में)

(ख) न्यूनतम अपेक्षित से भिन्न अनुभव
(एक अंक प्रतिवर्ष)

05 अंक

(ग) साक्षात्कार

15 अंक

(1) सॉर्मिन, अभ्यर्थी के अपने औद्योगिक कैरियर में प्रदर्शन अर्थात् उसके द्वारा उत्तीर्ण परीक्षा अन्य वृत्तिक मोक्ष आदि में प्रदर्शन और प्रदर्शन में प्रदर्शन के आधार पर, जिसके लिए अंक दिए जाएंगे, अपना मूल्यांकन करने के पश्चात् अपनी सिफारिशें करेगी और ऐसे अंकों के आधार पर अधिक अंक उसके वैयक्तिक माध्यात्म में प्रदर्शन के लिए दिए जाने चाहिए.

(2) ऐसे चयन दाय भगे जाने वाली इच्छितियों, गणनाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करने के पश्चात् ही प्रकाशित होंगी.

(3) भगे जाने वाली इच्छितियों की संख्या के कम से कम तीन गुनी संख्या में अभ्यर्थियों को चयन के लिए साक्षात्कार में बुलाया जाएगा.

5. पदावधि.—(1) संविदा आधार पर इस प्रकार नियुक्त किए गए किसी कर्मचारी की पदावधि 3 वर्ष से अनधिक कालावधि के लिए होगी. वेगो पदावधि के अवसान पर नियुक्ति स्वतः समाप्त हो जाएगी.

(2) तथार्थ कोई व्यक्ति, यदि वह चयन सॉर्मिन द्वारा उपयुक्त पाया जाए तो नए सिरे से संविदा पर नियुक्ति के लिए पात्र होगा. ऐसा व्यक्ति यदि नियुक्ति पर ऐसे वेतन के लिए, जो वह अपनी पिछली नियुक्ति के दौरान प्राप्त कर रहा था, एक वेतनवृद्धि के साथ हकदार होगा.

6. आयु.—न्यूनतम तथा अधिकतम आयु ऐसी होगी जो अनुसूची में विनिर्दिष्ट की जाए.

7. अन्य शर्त.—(1) इन नियमों के अधीन कोई नियुक्ति, प्रवर्ग में रिक्त पद के विरुद्ध ही की जाएगी;

प्रणालीकरण.—रिक्त पद से अभिप्रेत है उस प्रवर्ग में रिक्त पद और उसमें ऐसा पद सम्मिलित है जिसके एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए रिक्त बने रहने की संभावना है.

(2) इन नियमों के अधीन विभिन्न पदों पर नियुक्तियों आरक्षण के लिए विधि या नियमों द्वारा शासित होंगी, जैसे :—

(क) मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 के उपबंध के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पद आरक्षित रखे जाएंगे. इस प्रयोजन के लिए रोस्टर राज्य स्तर पर रखा जाएगा.

(ख) महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा.

(ग) विकलांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण सरकार के अनुदेशों के अनुसार किया जाएगा.

(3) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 द्वारा शासित होगा.

(4) इन नियमों के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति, पेंशन तथा उससे संबंधित फायदों के लिये हकदार नहीं होगा.

(5) इन नियमों के अधीन सेवाएं, दोनों में से किसी भी एक ओर से एक मास की सूचना द्वारा या उसके बदले में एक मास का नोटिस देकर, पदावधि के अवसान के पूर्व किसी भी समय समाप्त की जाएगी.

(6) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, वैसी ही चिकित्सीय सुविधाओं तथा यात्रा भत्तों का हकदार होगा, जो कि समान वेतन वाले राज्य के अन्य कर्मचारियों को अनुज्ञेय हैं.

(7) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, ऐसे भविष्य निधि फायदों का भी हकदार होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा, समय-समय पर, अवधारित किया जाए.

(8) इन नियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, एक वर्ष में 13 दिन का आकस्मिक अवकाश तथा 3 दिन की ऐच्छिक अवकाश का हकदार होगा, किन्तु वह किसी अन्य प्रकार के अवकाश या दीर्घावकाश का हकदार नहीं होगा.

(9) संविदा नियुक्ति एक विशिष्ट संस्था के लिए ही होगी.

(10) संविदा नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी, ए.आई.सी.टी.ई. सन्धियों के अनुसार उच्चतर अर्हता के लिए प्रोत्साहन हेतु पात्र होगा.

(11) सेवा की अन्य शर्तें ऐसी होंगी, जैसी कि उसके नियुक्ति के आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं.

अनुसूची

| अनु क्र. | विभाग का नाम | पद के प्रवर्ग का नाम | वेतन | आय न्यूनतम | आय अधिकतम | अर्हता | चयन सैनित | नियुक्ति प्राधिकरण |
|----------|------------------------------------|----------------------|------------------------------------------|------------|-----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) |
| एक | तकनीकी शिक्षा एवं जनशक्ति नियांजन. | प्राचार्य | रु. 16400-450-20000. (ए.आई.सी. टी.ई.) | 40 | 59 | स्नातकोत्तर या स्नातक स्तर पर प्रथम श्रेणी के साथ इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की समुचित शाखा में मास्टर्स डिग्री तथा अध्यापन में 15 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 5 वर्ष विभागाध्यक्ष या समतुल्य स्तर पर रहने के हों या इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी/तकनीकी शिक्षा की समुचित शाखा में पी-एच.डी. तथा अध्यापन में दस वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम तीन वर्ष विभागाध्यक्ष या समतुल्य स्तर पर रहने के हों. | 1. संचालक, तकनीकी शिक्षा—अध्यक्ष. 2. संचालक, टी. टी. आई, भोपाल—सदस्य 3. इंजीनियरिंग महाविद्यालय के दो प्राचार्य—सदस्य. 4. मध्यप्रदेश के बाहर के आर. ई. सी. के प्राचार्य—सदस्य. | संचालक |
| दो | —तदैव— विभागाध्यक्ष | | रु. 12000-420-18300. (ए.आई.सी. टी.ई.) | 35 | 55 | स्नातकोत्तर (मास्टर्स) या स्नातक स्तर पर प्रथम श्रेणी के साथ इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी (टेक्नॉलॉजी) की समुचित शाखा में मास्टर्स डिग्री. | 1. प्राचार्य, इंजीनियरिंग महाविद्यालय—अध्यक्ष (डी. टी. ई. द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा) 2. प्राचार्य—सदस्य 3. प्राचार्य—सदस्य पालीटेकनिक (नियमित) 4. प्राचार्य—सदस्य पालीटेकनिक (डी. टी. ई.) द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा 5. दो विषय—सदस्य विशेषज्ञ (एक्सपर्ट) (डिप्लोमा के बाहर)—सदस्य | संचालक, तकनीकी शिक्षा |
| 1. | सिविल इंजीनियरिंग | | | | | तथा | | |
| 2. | मेकैनिकल इंजीनियरिंग | | | | | तथा | | |

11. आधुनिक कागजपत्र
प्रथम (मार्डन ऑफिस-
मैनसमेंट)
12. श्री. डी. डी. एम.
13. आंतरिक सजावट
(इंटीरियर डेकोरेशन)
14. मिडकल लेबोरेटरी
टेक्नोलॉजी.
15. रेकॉर्डिंग एण्ड
रूर कंडीशनिंग,
कम्प्यूटर साइंस तथा
इंजीनियरिंग.
16. सरल इंजीनियरिंग
संमंट टेक्नोलॉजी
17. स्ट्रुक्चरल टेक्नोलॉजी
इ. पी. ओ.
18. फुड टेक्नोलॉजी
19. फरमेंट टेक्नोलॉजी
20. न्यू कल्चर
21. ड्रेसटाइल डिजाइन
22. एसाइड विद्यालॉजी
23. भौतिक शास्त्र
24. साधन शास्त्र
25. कला
26. अर्थशास्त्र
27. इंजीनियरिंग केमिस्ट्री
28. अर्थशास्त्र
29. अर्थशास्त्र
30. अर्थशास्त्र
31. अर्थशास्त्र

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) |
|-----|------------------------------|-----------------------------------------------|-----|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|
| 32. | सिस्टम एनलिस्ट (श्रेणी-1) | रु.10,000/- 325-15,200. (राज्य वेतनमान) | 30 | 51 | कम्प्यूटर साईंस/कम्प्यूटर इंजीनियरिंग/कम्प्यूटर साईंस तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी में स्नातक स्तर उपाधि. तथा सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम संगठन के कम्प्यूटर केन्द्र में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव —तद्वैव— | —तद्वैव— | —तद्वैव— | —तद्वैव— |
| 32. | सिस्टम एनलिस्ट (श्रेणी-2) | रु.8000/- 275-13500. (राज्य वेतनमान) | 22 | 51 | कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक उपाधि या गणित/भौतिक शास्त्र/सांख्यिकी/ऑपरेशन रिसर्च में कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातक उपाधि के साथ सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का तीन वर्ष का अनुभव या मध्यप्रदेश बी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा/पोस्ट डिप्लोमा के साथ सरकारी/अर्द्ध सरकारी/लोक उपक्रम के किसी कम्प्यूटर केन्द्र में प्रोग्रामिंग का एक वर्ष का अनुभव. | —तद्वैव— | —तद्वैव— | —तद्वैव— |
| 33. | प्रोग्रामर | रु.8000/- 275-13500. (राज्य वेतनमान) | 22 | 51 | कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का अनुभव | —तद्वैव— | —तद्वैव— | —तद्वैव— |

कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स में प्रथम श्रेणी में मास्टर्स डिग्री.

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 2000

क्र. एफ. 1-35-2000-बयालीस-1.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्र. एफ. 35-2000-बयालीस-1, दिनांक 12 जुलाई 2000 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. दुबे, उपसचिव.

Bhopal, the 12th July 2000

No. F. 35-2000-XLII-1.—WHEREAS, in the opinion of the State Government it has become necessary that—

- (i) to fill up certain vacancies in certain categories of employees within short time;
- (ii) to curb the tendency of avoiding, posting at certain places, those categories of employees should be appointed on contract basis for a specified period.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the provision to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Madhya Pradesh hereby makes the following rules relating to the recruitment to certain categories of services on contract basis under the Department of Technical Education and Man Power Planning, namely:—

RULES

1. Short title, Application and Commencement.—(1) These rules may be called the Madhya Pradesh, Technical Education, Polytechnic (Teaching Cadre) Contract Services (Appointment and Conditions of Service) Rules, 2000.

(2) Notwithstanding anything contained in any other rules these rules shall apply for such categories of employees appointed on contract basis as may be specified in the scheduled from time to time by the State Government by notification.

(3) They shall come into force with effect from the date of publication of these rules in the "Madhya Pradesh Gazette".

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires;—

- (a) "Appointing Authority" Appointing Authority in respect of a post means the authority specified in the scheduled for the concerned category;
- (b) "AICTE" AICTE means the All India Council for Technical Education;
- (c) "Government" Government means the Government of Madhya Pradesh;
- (d) "Selection Committee" Selection Committee means the committee of persons specified in the Schedule for the concerned category.

3. Day.—Day of a post shall be such as specified in the scheduled for the said post.

4. The Method of Appointments.—(1) All appointment to the categories of posts mentioned in the schedule shall be made by the appointing authority on the basis of recommendation by the Selection Committee consisting of persons specified in the schedule.

